गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

वर्ष - 2024 – 2025

SGG

आयोजक:

गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम व पोस्ट : उचौरी , सैदपुर , गाजीपुर

संपर्क सूत्र : चंद्रभूषण (सचिव)

मो. 9795295406

Email : chand295406@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

संस्थान का साक्षिप्त परिचय :

गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति पवित्र उद्देश्यों से जनहित में कार्य करने वाली अलाभकारी , गैर राजनीतिक , गैर सकारी स्वैच्छिक संस्थान है जो दलितों , महिलाओं , अल्पसंख्यकों व अन्य पिछड़ा वर्ग एवं बच्चों के विकासीय उत्थान की दिशा प्रदान करने के साथ – साथ उनके सरोकारों एवं सामाजिक सौहार्द की पैरवी करता है , जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 21,1860 एवं आयकर अधिनियम के अंतर्गत 12 A & 80 G पंजीकरण , सी.एस.आर. -1 , एनजीओ दर्पण , पैनकार्ड इत्यादि के अंतर्गत पंजीकृत समिति है ।

1. संस्थान का नाम : गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति
2. पता : ग्राम व पोस्ट – उचौरी , विकास खण्ड – सैदपुर , जिला – गाजीपुर ,पिन कोड - 233307 (उत्तर प्रदेश) ,

   फोन / मोबाइल : **09794295406**

   ई- मेल : **chand295406@gmail.com**
3. (अ) संस्थान का स्थापना वर्ष : वर्ष – **1993**

   (ब) संस्थान का पंजीकरण : रजि ॰ **413** , तिथि – 17 सितंबर 1993

   (स) संस्थान का नवीनीकरण : नवीनीकरण तिथि 17 सितंबर 2023 से पाँच वर्ष के लिए वैध है

   नवीनीकरण तिथि – 12/10/2023
4. आयकर पंजीकरण सं. व तिथि : 12 A पंजीकरण सं. **AACAG5646FE20231 Date 30.03.2024**

   : 80 G पंजीकरण सं. **AACAG5646FF20241 Date-30.03.2024**
5. पैन कार्ड : **AACAG5646F**

6. मुख्य कार्यकारी का नाम : चन्द्रभूषण (सचिव / प्रबन्धक)
7. स्थाई पता व पत्र व्यवहार का पता : ग्राम व पोस्ट – उचौरी , ब्लाक. –सैदपुर ,
: जनपद- गाजीपुर , पिन कोड – 233307 (उ. प्र.)
: योग्यता – स्नातक , अनुभव – 25 वर्ष
: मोबाईल नं 0 - **9794295406**
8. **NGO DARPAN** : **UP/ 2018 / 0213694**
9. **CSR-1 Registration No.** : **CSR00024448 Date : 15.03.2022**

संस्थान का उद्भव एवं विकास :

गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति उचौरी गाजीपुर की पहली बैठक 15 अगस्त 1991 को श्री शम्भूनाथ (चौधरी) की अध्यक्षता में उचौरी गाँव में दलित , महिला , मजदूर एवं पिछड़े वर्ग की समस्याओं पर विकासात्मक कार्य करने के लिए विचार – विमर्श किया गया। पूर्वाचल का जनपद –गाजीपुर अत्यंत पिछड़ा जनपद है । जनपद में समाज का एक बड़ा वर्ग जो शोषित ,गरीब एवं दलित है । स्वतन्त्रता प्राप्ति के सात दशक से भी अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद भी बुनियादी सुविधाओं एवं मूलभूत अधिकारों से वंचित हैं । दलित ,महिलायें ,पिछड़ा वर्ग व वंचित समुदाय के लोगों के ऊपर विभिन्न प्रकार केअत्याचार एवं शोषण किये जा रहे थे , जिसके खिलाफ आवाज उठाने व एवं उचित अधिकारों की मांग करने पर दबाव बनाया जा रहा था । लोगों में शिक्षा की कमी , जानकारी व जागरूकता का अभाव एवं आपसी तालमेल के अभाव के कारण विकासीय योजनाओं के नाम पर ठगे जा रहे थे । सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को नहीं मिल पाता था । काम की सही मजदूरी न मिल पाना , मानवाधिकारों का हनन ,गरीबी ,अशिक्षा के कारण लोग शोषण के शिकार होते हैं । लोग विकास की सांस के लिए तरस रहे थे । इस प्रकार दलित समाज एवं पिछड़े वर्ग की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए क्षेत्र के बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा करके जन जागृति पैदा करने के लिए एक माध्यम के रूपमें संस्थान बनाने की कल्पना की गयी । समिति की स्थापना की गयी , जिसका नाम गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति रखा गया ।

संस्था की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए 7 जुलाई 1992 को बैठक की गयी , जिसमें संस्था के पंजीकरण की आवश्यकता महसूस की गयी । 17 अक्तूबर 1992 को

Scanned with OKEN Scanner

पंजीकरण करने के उद्देश्य से बैठक की गयी एवं प्रस्ताव पारित किया गया तथा सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 21,1860 के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 17 अक्तूबर 1993 को समिति का पंजीकरण हुआ। समिति दलित गरीब समाज के उत्थान के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में हमारी संस्था गाजीपुर के सैदपुर ब्लाक में लगभग 15 गाँव में विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रम के माध्यम से अपना हस्तक्षेप बनाये हुए है। वर्तमान में संस्था में 10 महिलायें और 5 पुरूष अंशकालिक कार्यकर्ता सुचारू रूप से कार्यरत हैं जो संस्था की गतिविधियों को संचालित कर रहें हैं। संस्थान गैर सरकारी, गैर राजनीतिक, अलाभकारी एक स्वैच्छिक संगठन है, जो विकासीय मुद्दों व समस्याओं पर सक्रिय पहल हेतु प्रयासरत है।

संस्थान स्वयं सहायता समूह का गठन व सशक्तिकरण, सामुदायिक संगठनों का गठन व मजबूती करण, दलित सशक्तिकरण, महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण, जैविकी (वर्मी कम्पोस्ट) आधारित कृषि, मानवाधिकार संवेदीकरण, लैंगिक समानता एवं विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, एड्स एवं कैंसर जागरूकता, पंचायतीराज सशक्तिकरण आदि समस्याओं व मुद्दों के प्रति विकासात्मक कदम उठाने हेतु प्रयासरत है। इन सभी अभावों के आधार पर नागरिक की हैसियत से स्वयं के स्तर पर नेतृत्व विकसित करने एवं सामूहिक प्रयास को अंजाम देने के लिए एक ऐसी पहल करना जो इस संस्थान को समर्पित है।

विजन :

समतामूलक, आत्मनिर्भर समाज की स्थापना करना।

मिशन :

समाज के कमजोर वर्ग के अंदर छिपी हुई ताकतों को शिक्षण –प्रशिक्षण के माध्यम से उभारकर स्वावलंबी बनाना जिससे वे विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके।

संस्था के कार्यक्षेत्र :

वर्तमान में गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति गाजीपुर के विकास खंड – सैदपुर के 15 ग्राम पंचायतों को अपना सघन कार्यक्षेत्र बनाया है। व्यापक स्तर पर समिति का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश है।

संस्थान के उद्देश्य :

संस्थान ने अपने निर्माण एवं अनुभवों के आधार पर निम्न उद्देश्यों को निर्धारित किया है ,जो इस प्रकार है-

Scanned with OKEN Scanner

- दलित समुदाय में सामाजिक ,आर्थिक , बौद्धिक,शैक्षिक व राजनैतिक चेतना जागृत करना ।
- दलित अति पिछड़े वर्गों की बस्तियों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता हेतु गोष्ठी करना एवं शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करके शिक्षा साक्षरता के प्रति रूचि एवं चेतना पैदा करना ।
- बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी शिक्षा का प्रशिक्षण प्रदान करना ।
- पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु वृक्षारोपण एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना ।
- जातीय भेद-भाव , उत्पीड़न , अत्याचार , शोषणमुक्त , समतमूलक समाज की स्थापना के लिए सामाजिक सौहार्द व आपसी भाईचारा जागरूकता कार्यक्रमों का सुचारू रूप से संचालन करना ।
- स्वयं सहायता समूहों एवं सामुदायिक संगठनों का गठन करके महिलाओं एवं पुरूषों के सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक रूप से सशक्त तथा सम्मान के प्रति सशक्त करना ।
- गरीब , असहाय , दलित , महिला , अल्पसंख्यक एवं पिछड़े जन समुदाय जो मूलभूत अधिकारों एवं बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित हैं । उनके जीवन शैली में अमूल्य परिवर्तन लाकर अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करके आत्मबल तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करना ।
- बेरोजगार ग्रामीण महिलाओं व युवक – युवतियों को शिक्षण –प्रशिक्षण की व्यवस्था करके आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार से जोड़ने हेतु प्रेरित करना ।
- परिवार नियोजन , टीकाकरण तथा सुखी व समृद्धि जीवन जीने के लिए सामान्य स्वास्थ्य , स्वच्छता , एचa॰ आई॰ वी./ एड्स के बढ़ते प्रभाव के प्रति जन समुदाय को जागृत करने हेतु गोष्ठी , शिविर , कार्यशाला आदि का आयोजन करना ।
- मद्यनिषेध हेतु कामकाजी ग्रामीण महिलाओं को लामबंद करके नशा प्रवृत्ति को खत्म करके जन समुदाय को जागरूक करना
- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना ।

Scanned with OKEN Scanner

- पंचायतीराज व्यवस्था में जन भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विशेषकर दलित तथा महिलाओं व अतिपिछड़ों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जागरूक करके नेतृत्व विकसित करना।

लक्ष्य समूह :

दलित महिलाएं व बच्चे तथा पिछड़ा वर्ग जो उपेक्षित पीड़ित समुदाय जो सामाजिक , आर्थिक , राजनैतिक , सांस्कृतिक , बौद्धिक , शैक्षिणिक तथा शारीरिक स्तर से वंचित हैं तथा दीनहीन एवं अन्याय पर आधारित परिस्थितियों में जीवन जी रहें हैं संस्थान के लक्ष्य समूह हैं।

रणनीति :

लक्ष्य समूह को पहचान करके उन्हें संगठित करते हुए शिक्षण – प्रशिक्षण , गोष्ठी , रैली , सम्मेलन , अध्ययन , नुक्कड़ –नाटक , रोल-प्लेय , जन चेतना , जन पैरवी , धरना व प्रदर्शन , दीवाल -लेखन , शिविर , हैंड बिल , पोस्टर - पम्पलेट , सर्वेक्षण आदि पद्धतियों से जन जागृति एवं संवेदित करते हुए उनके सरोकारों की पैरवी करते हुए उनको विकासीय दिशा तक ले जाना।

मुख्य संपादित गतिविधियां एक नजर में :

- किसान गोष्ठी
- स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम ।
- पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम ।
- स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम ।
- चेतना दिवस (डा भीमराव अम्बेडकर जयंती)।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम ।
- युवा विकास कार्यक्रम।
- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम।
- स्वच्छता एवं साफ़-सफाई कार्यक्रम।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- स्पोर्ट कार्यक्रम।
- शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम।

Scanned with OKEN Scanner

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन :

2024–2025

SHGs के लीडरों का नेतृत्व विकास प्रशिक्षण :

संस्थान द्वारा दिनांक 18 अक्टूबर 2024 को ग्राम- विक्रमपुर के पंचायत भवन में स्वयं सहायता समूह के लीडरों का नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से समूह की महिलाओं में स्वयं नेतृत्व उभारने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी गयी , जिससे महिलाओं में नेतृत्व क्षमता विकास हुआ है। महिलाओं को यह भी बताया गया कि स्वतंत्र भारत में आज भी समाज का पूंजीपति या साहूकार वर्ग गरीबों को कर्ज ब्याज / सूद पर देकर सूदखोरी की परंपरा को चला रहे हैं। ऐसी स्थिति में कामकाजी महिलायें इसके शोषण की शिकार हो रहीं हैं। आज गरीबी एवं पलायन के बढ़ते दौर में स्वयं सहायता समूह ने कारगर माध्यम के रूप में उभरा है। इसके माध्यम से केवल आपस में एक साथ रहने तक ही सीमित नहीं है बल्कि अपने दैनिक जीवन से समय निकाल कर आपस की घरेलू स्थितियों पर चर्चा करना एवं आपसी मदद से अपनी कमाई या घर के खर्च से कुछ हिस्सा बचत करके अपनी स्वयं सहायता करने की पहल ने एक नई दिशा दिया है। इस कार्यक्रम से महिलाओं में जागरूकता के साथ आपसी सहयोग की भावना का विकास हुआ है। इतना ही नहीं अपनी जरूरत की स्वयं पहल के लिए सोचकर कार्य करना और आगे बढ़ना , इस कार्यक्रम का प्रमुख रीढ़ उपलब्धियां है। संस्था द्वारा दलित गरीब लोगों का स्वयं सहायता समूह का गठन करके उनका आर्थिक स्वावलंबन करने का प्रयास किया जा रहा है , जिससे लोग आत्म निर्भर होकर सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सके और महिलायें सेठ – साहूकारों की चंगूल से मुक्ति पा सके। महिलायें अपनी संचित समूहिक पूंजी से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के आधार पर स्वरोजगार से जुड़ी हैं। महिलाएं अपनी एवं सामाजिक समस्याओं को स्वयं चिन्हित करके ग्राम प्रधान , ब्लाक एवं तहसील पर जाकर सम्बंधित अधिकारियों के समक्ष रखने एवं उन समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास कर रही है . महिलाओं में नेतृत्व उभरा है।

किसान गोष्ठी :

संस्थान द्वारा रवि एवं खरीफ की फसल की बुवाई से पूर्व समय – समय पर खेत की तैयारी , मिट्टी की जांच , उन्नति किस्म की बीज , रासायनिक उर्बरक एवं कीटनाशक दवाओं के

Scanned with OKEN Scanner

प्रयोग न करने तथा जैविक उर्बरक एवं कीटनाशक दवाओं के उपयोग करने हेतु किसानों को जानकारी दी गयी और उन्हें प्रेरित किया गया । किसानों को बताया गया कि ऐसी उन्नत किस्म की बीज की बुवाई करें जिसमें कम लागत लगे और अधिक उत्पादन हो । तकनीकी कृषि करने पर विशेष बल दिया गया । कैश क्राप्स (एक फसल के साथ कई फसल यानी मिश्रित फसल) फसल उगाने की तकनीक बताई गयी जिससे किसान कम खर्च में अधिक पैदावार कर सके । उक्त नई जानकारी से किसान अधिक उत्साहित हुए और तकनीकी एवं मिश्रित जैविक आधारित खेती करने हेतु संम्वेदित हुए हैं ।

पर्यावरण जागरूकता अभियान :

संस्थान द्वारा दिनांक 5 जून 2024 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत उचौरी के प्राथमिक स्कूल के प्रांगण में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न किया गया । उक्त कार्यक्रम में महिला , पुरूष , युवा व बच्चे उपस्थित रहे । शिविर के दौरान डॉ रामाश्रय द्वारा बताया गया कि आज वर्तमान समय में मानव अपने चंद सुखों के खातिर पर्यावरण का निरंतर दोहन कर रहा है । गाँव के आस –पास ईंट –भटठों के चिमनियों के द्वारा निकलने वाला धुआँ से वातवरण प्रदूषित हो रहा है । जिससे फलदार वृक्षों में कम फल लगना व जड़ों में कीड़े लग जाना , जिससे पेड़ सुख जाते हैं । फसलों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ता है । सड़कों पर चल रहे वहाँ वाहन के धुए व टायरों के घिसने से , रासायनिक व कीटनाशक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी की उर्बरा शक्ति नष्ट हो जाती है । जिससे फसलों से पैदावार में कमी आ रही है । साथ ही साथ भूमि उसरीली हो रही है । पेड़ों के अंधाधुंध कटान से विभिन्न प्रकार से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष हानि हो रही है । पर्यावरण प्रदूषण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय बन गयी है । जिससे एक ही देश नहीं बल्कि पूरा विश्व ही प्रभावित है । श्री रीता भारती जी ने बताया कि गाँव में चारो तरफ गंदगी का अंबार होने के बावजूद भी खुली स्वच्छ हवा मिलती है । 50 % गाँव के लोग खुले में शौच करते हैं , पेड़ों को काटकर आवास एवं भोजन का प्रबंध किया जा रहा है । जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है । जिसके कारण अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता है । कहीं बाढ़ , सूखा , अकाल , तूफान , भूकंप , आगजनी आदि समस्याओं को झेलना पड़ता है । विशेषज्ञों ने पेयजल के संकट पर प्रकाश डालते हुए कहा की आज के माहौल में लोग सोते – जागते पानी के बारे में ही सोचते हैं । पानी के बिना जीवन असंभव है , इसलिए उसके संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष बल देने की आवश्यकता है । आर्थिक स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा की गरीबों के पास नाम मात्र की भूमि है । व्यवसाय व नौकरी पूंजी एवं योग्यता के अभाव में गरीब व्यक्ति नहीं कर पाता है । जिससे गरीबी की तंगहली को वह झेलता रहता है । अंत में संस्थान के सचिव श्री चन्द्र भूषण जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं ग्रामीण नागरिकों , माताए , बहनों , युवा साथियों , बुजुर्गों का आभार व्यक्त किया ।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम :

Scanned with OKEN Scanner

गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति द्वारा ग्राम मठ उचौरी में 26 जुलाई 2024 को पंचायत भवन के प्रांगण में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन संम्पन्न किया गया , दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की गयी । तत्पश्चात संस्था के सचिव श्री चंद्रभूषण जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ड़ा पी के सिंह ने मौसमी बीमारियों एवं अन्य बिमारियों जैसे – बुखार , खांसी , पेचिस , मलेरिया , चेचक , पीलिया , टाइफाइड मलेरिया , ब्लड प्रेशर , शुगर आदि के लक्षण एवं बचाव व उपचार के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दिया और परहेज एवं सावधानियों तथा नियमित व्यायाम कराने पर विशेष बल दिया और पेयजल को हमेशा ढककर रखने तथा पानी को हमेश उबालकर पीने की सलाह दिए । डा अशोक कुमार ने बताया कि अपने घरों के आसपास हमेशा साफ सफाई रखनी चाहिए और पौधे व फूल पत्ती , तुलसी आदि का पौधा लगाना चाहिए , जिससे आसपास का वातावरण शुद्ध रहे और जिससे बिमारियों के फैलाने का खतरा कम रहता है। डा श्वेता ने महिला सम्बंधित बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि माहवारी का अनियमित होना , ल्यूकोरिया , बालिकाओं में एनेमिया , गैस बनना , पथरी , बच्चेदानी में सूजन , गाँठ का बनाना ,हाथ पैर में झुनझुनाहट व जलन आदि के बारे में जानाकरी दिया । कार्यक्रम में अन्य वकाओं ने अपने विचारों को व्यक्त किया अंत में संस्था के सचिव श्री चंद्रभूषण जि ने उपस्थित सभी लोगो को धन्यबाद देते हुए आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार ने किया ।

दलित चेतना दिवस (डा . भीम राव अंबेडकर जयंती) कार्यक्रम :

संस्थान द्वारा 14 अप्रैल 2024 को भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहब डा0 भीम राव अंबेडकर जयंती को दलित चेतना दिवस के रूप में विभिन्न ग्राम पंचायतों मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिससे गाँव में पम्पलेट , नारा , दीवाल लेखन , जागरण गीत आदि माध्यम से जन – जागरण किया गया । उक्त कार्यक्रम के माध्यम से बाबा साहब के जीवन चरित्र व संघर्षो एवं उनके द्वारा किये गए जनोपयोगी कल्याणकारी जनांदोलन , मानवाधिकारों के हनन से सुरक्षा , सम्मान , स्वाभिमान , अधिकारों को जीवनपर्यंत संघर्ष करके अधिकार दिलाने का कार्य किया और जीवन संघर्षों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए लोगों को उनके बताये गये रास्ते पर चलने एवं अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया गया । बाबा साहब द्वारा अपनाये गये 22 प्रतिज्ञाओं को लोगों को बताया गया , जिससे दलितों में एक नया उत्साह देखने को मिला । बाबा साहब ने भारतीय संविधान का निर्माण करके दलित दबे –कूचले असहाय लोगों को सम्मान , सुरक्षा एवं स्वतन्त्रता का अधिकार दिया है । संविधान में प्रदत्त अधिकारों के प्रति लोग संगठित होकर संघर्ष करने के लिए स्वयं नेतृत्व लेने हेतु आगे आ रहे हैं । सरकारों द्वारा संविधान को

Scanned with OKEN Scanner

समाप्त करने एवं प्रभावहींन बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है जिसके खिलाफ संविधान को बचाने के लिए समुदाय के लोग लामबन्द होकर संघर्ष हेतु प्रयासरत है ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम :

संस्था द्वारा ग्राम पंचायत – उचौरी , अमिरहाँ, भैरोपुर , विक्रमपुर, अमुआरा आदि ग्राम पंचायतो के सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण किया गया और लोगो को पौधों की देख रेख करने की जिम्मेवारी के प्रति संवेदित किया गया । वृक्षारोपण के बाद सभी गांवों में संमुदाय के साथ एक बैठक की गयी और बैठक के माध्यम से पौधों से होने वाले विभिन्न लाभों जैसे- पेड़ पौधों से पर्याप्त शुद्ध आक्सीजन प्राप्त होती है । अगर आक्सीजन न मिले तो जीवन संभव नहीं है , पेड़ पौधों से फल- फूल , लकड़ी , ईंधन, छाया , औषधि , जड़ी बूटी , कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करता है । अधिक पेड़ पौधे होने से मानसून बनती है और वर्षा होने मे सहायक होते है । पेड़ पौधों के न होने पर अनेक दुष्परिणाम देखने को मिलते है जैसे – वातावरण में अत्यधिक मात्रा में कार्बन डाई आक्साइड का होना , सूर्य का तेज ताप एवं सूर्य की पराबैगनी किरणों के सीधे पडने से अनेक धातक बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है और पेड़ों के बिना जीवन जीना संभव नहीं है । जिससे समुदाय के लोगों में वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित हुए है और लोगों ने सकल्प लिया कि हम लोग कम से कम एक पेड़ अवश्य लगायेगे ।

युवा विकास कार्यक्रम :

संस्थान द्वारा युवाओं को स्वयं विकास एवं गाँव , सम्माज के लिए विकास की मुख्य धारा से जोडने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है , युवाओं में काफी ऊर्जावान होता है , सब कुछ कर गुजरने की अपार क्षमता होती है , उत्साह व उमंग होते है , लेकिन समाज युवाओं का उपयोग नहीं कर पता है , राजनीतिक पार्टियां इन युवाओं का उपयोग करके थोडा पैसे की लालच देकर प्रचार – प्रसार , भीड़ जुटाने व चुनाव मे इनका गलत तरीके से इस्तेमाल करना , कार्यक्रमों को सफल बनाने में उपयोग करते है . कभी- कभी अराजकता फैलाने वाले संगठनों द्वारा इन भोले –भाले युवाओं को लालच व अपने बहकावे मे लाकर दंगें , चोरी , छिनैती व अन्य अन्नैतिक कार्य कराने पर मजबूर करते है .जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है । संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों , खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , उक्त प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों से टीम बनाकर प्रतियोगिता में भाग लिये . विजेता टीम को संस्थान द्वारा पुरस्कृत किया गया ,जिससे युवाओं में काफी उत्साह बढ़ा है ।

महिला विकास कार्यक्रम :

संस्था द्वारा दिनांक 28 दिसंबर 2024 को ग्राम उचौरी में महिला अधिकार एवं विकास गोष्ठी के माध्यम से ग्रामीण महिलायें , अधिवक्ता , शिक्षक , स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि व वरिष्ठ नागरिक आदि लोगो ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया । कार्यक्रम के दौरान महिलाओं का सामाजिक दर्जा , महिला कानून व कानूनी प्रक्रिया , शोषण , अत्याचार , यौन

Scanned with OKEN Scanner

उत्पीड़न , कन्या भ्रूण हत्या , महिला स्वास्थ्य , घरेलु महिला हिंसा , दहेज उत्पीडन , समाज मे महिलाओं की भूमिका तथा ग्रामीण समस्याओं के विषय में काफी विस्तार से जानकारी दी गयी । महिलाओं पर हो रहे शोषण अत्याचार को स्पष्ट रूप से समझ विकसित करने के लिए दिल्ली में हुए दामिनी के साथ सामूहिक बलात्कार एवं निर्मम हत्या से देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व काँप उठा । उक्त घटना को सुनकर महिलाओं का दिल काँप उठा , जिससे उनमें संवेदना एवं अधिकारों के प्रति स्पष्ट समझ बनी और अपने अधिकारों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने हेतु लामबंद होकर स्वयं नेतृत्व अपने हाथों में लेने के लिए उत्तेजित हुई हैं । महिलायें कार्यक्रम के बाद से काफी उत्साहित एवं सक्रिय दिखाई दे रहीं हैं ।

स्वच्छता एवं साफ–सफाई (हाइजेनिक) जागरूकता कार्यक्रम :

आज वर्तमान समय में मानव अपने चंद सुखों के खातिर पर्यावरण का निरंतर दोहन कर रहा है । गाँव के आस –पास ईंट – भटठों के चिमनियों के द्वारा निकलने वाला धुआँ से वातावरण प्रदूषित हो रहा है । जिससे फलदार वृक्षों में कम फल लगना व जड़ों में कीड़े लग जाना ,जिससे पेड़ सुख जाते हैं । फसलों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ता है । सड़कों पर चल रहे वाहन के धुए व टायरों के घिसने से , रासायनिक व कीटनाशक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी की उर्बरा शक्ति नष्ट हो जाती है । जिससे पैदावार में कमी आ रही है । साथ ही साथ भूमि उसरीली हो रही है । पेड़ों के अंधाधुंध कटान से विभिन्न प्रकार से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष हानि हो रही है । गाँव में चारो तरफ गंदगी का अंबा र है । 50 % गाँव के लोग आज भी खुले में शौच करते हैं , पेड़ों को काटकर आवास एवं भोजन का प्रबंध किया जा रहा है । जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है । जिसके कारण अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता है । कहीं बाढ़, सूखा , अकाल , तूफान , भूकंप , आगजनी आदि समस्याओं को छेलना पड़ता है । आर्थिक स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि गरीबों के पास नाम मात्र की भूमि है । व्यवसाय व नौकरी पूंजी एवं योग्यता के अभाव में गरीब व्यक्ति नहीं कर पाता है । जिससे गरीबी की तंगहाली को वह झेलता रहता है । गाँवों में गली और घरों के आस-पास कूड़ा – कचरा का अंबार होता है जिसके सड़ने से गंदी हवा के साथ संक्रामक बीमारियों के बैक्टीरिया व विषाणु सांस के द्वारा शरीर के अंदर प्रवेश कर अनेक बीमारियों से संक्रमित करते हैं । इसलिए संस्थान द्वारा कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है कि सभी लोग अपने घरों के आस – पास साफ – सफाई रखे और अपने घरों के आस –पास पेड़ – पौधे व फूल – पत्ती आदि लगाये जिससे वातावरण शुद्ध रहे । अपने बच्चों को हमेशा साबुन आदि से हाथ धुलकर खाना खाने के लिए प्रेरित करें । कपड़े हमेशा साफ – सुथरा रखें , जिससे किसी भी बीमारियों का संक्रामण न हो सके ।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का अधिकार अधिनियम आगरूकता शिविर :

उत्तर प्रदेश पूर्वाञ्चल के जनपद – गाजीपुर के विकास खंड – सैदपुर में गाजीपुर ग्रामोत्थान समिति , ग्राम व पोस्ट – उचौरी , ब्लाक – सैदपुर जिला – गाजीपुर , उत्तर प्रदेश के द्वारा चयनित गांवों में " पूर्वाञ्चल में दलित शिक्षा को बढ़ावा देना " के अंतर्गत शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अंतर्गत कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन हेतु जागरूकता शिविर के अंतर्गत चयनित 5 गांवों (उचारी, अमिरहा, भुअरपुर , विक्रमपुर , भैरोपुर आदि) में सामुदायिक जागरूकता बैठक एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । जिसके माध्यम से लोगों को अपने बच्चों की शिक्षा हेतु नामांकन एवं शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया ।

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

संस्थान द्वारा समय-समय पर बैठकों एवं गोष्ठियों एवं प्रशिक्षणों के माध्यम से महिला एवं पुरुषों को तकनीकी कौशल एवं दक्षता के प्रति जानकारी दी गयी कि आप सभी लोग छोटे –छोटे स्वरोजगारों से जुडकर आत्म निर्भर बनाने की दिशा में आगे आये । स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों , कच्चे माल , बाजार की उपलब्धता आदि को देखते हुए स्वरोजगार करने कि आवश्यकता है । स्वरोजगार जैसे- मोमबत्ती , अगरबत्ती, मसाला , हल्दी पाउडर , माला निर्माण, दोना पत्तल निर्माण, खिलौने , बैग निर्माण , टेडी वियर, आदि रोजगार से जुडकर अपनी आमदनी को बढ़ाया जा सकता है . जिससे आर्थिक सम्पन्नता बढ़ेगी और आत्म निर्भर बनने की दिशा में पहल होगी । संस्थान हमेशा मार्गदर्शन एवं सहयोग देने का प्रयास करेगा ।

खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम :

संस्था द्वारा उचौरी , अमदही , विक्रमपुर , भैरोपुर एवं भुअरपुर आदि गांवों में क्रिकेट , फूटबाल , बालीवाल आदि खेल प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में खेल के प्रति उत्साहवर्धन किया गया , जिससे युवाओं में खेल के प्रति रूचि बढ़ी है और युवा क्षेत्र में हो रहे विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं में चढ बढ़ कर हिस्सा ले रहे है । संस्था द्वारा समय – समय पर खेल सामग्री जैसे – बैट- बाल , नेट - फ़ुटबाल , बैडमिंटन, हाकी एवं खेल वर्दी आदि सामग्री बच्चों को वितरण की जाती है । उसी तरह बालिकाओं को भी विभिन्न खेल जैसे- रंगोली प्रतियोगिता , आर्ट एवं लेखन प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिताए समय – समय पर आयोजित की जाती है ।

स्नेहाधीन

चन्द्र भूषण

(सचिव / प्रबन्धक)

Scanned with OKEN Scanner

गाजीपुर ग्रामोत्थान

उचौरी , सैदपुर ,

समिति

गाजीपुर

संस्थान विजिट के लिए धन्यवाद!

Scanned with OKEN Scanner